

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302315 / F-304
Name of the Paper	:	गुप्तकालीन अभिलेख (Inscriptions of Gupta Period)
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit, Hindi** or **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
 3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
1. समुद्रगुप्त के प्रयाग स्तम्भ अभिलेख की विषयवस्तु का परिचय दीजिए।
Introduce the contents of the Prayag pillar inscription of Samudragupta.
 2. चन्द्र के महरौली लौह स्तम्भ अभिलेख का ऐतिहासिक महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।
Elaborate the historical significance of Mehrauli pillar inscription of Chandra.
 3. कुमारगुप्त(प्रथम) कालीन बिलसड़ स्तम्भलेख के आधार पर गुप्त राजवंश का परिचय दीजिए।
On the basis of the Bilsad pillar inscription of the time of Kumar Gupta I, introduce the Gupta dynasty.
 4. भितारी स्तम्भ अभिलेख के आधार पर सम्राट स्कन्दगुप्त की विजय की समीक्षा कीजिए।
Review the victory of Emperor Skandagupta on the basis of Bhitari pillar inscription.
 5. पट्टवायश्रेणी के मन्दसौर अभिलेख के आधार पर तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का विश्लेषण कीजिए।
Analyse the then society on the basis of Mandasaur inscription of Pattwayashreni.
 6. महाराज संक्षोभ के खोह ताम्रपट्ट अभिलेख के आधार पर परिव्राजक वंशी राजाओं का परिचय दीजिए।
Introduce the Parivrajaka dynasty kings, on the basis of the Khoh copper plate inscription of king Sankshobha.